M.A. 1st year (Hindi) Syllabus According to choice based course Semester and Credit System

University of Mumbai

Year 2016-17,2017-18, 2018-19

प्रो.विष्णु सरवदे (अध्यक्ष ,हिंदी अध्यन मडंल)

प्रो.रतनकुमार पांडे (सदस्य, हिंदी अध्यन मडंल,)

डॉ. मनप्रीत कौर (सदस्य, हिंदी अध्यन मडंल,)

डॉ.अनिल ढवले (सदस्य, हिंदी अध्यन मडंल,)

डॉ. शशिकला राय (सदस्य हिंदी अध्यन मडंल,)

डॉ करुणाशंकर उपाध्याय (सदस्य,पाठ्यक्रमसमिति)

डॉ. शीतला प्रसाद दुबे (सदस्य,पाठ्यक्रमसमिति)

डॉ.दत्ता मुरुमकर (सदस्य,पाठ्यक्रमसमिति)

डॉ. शाहू मधाले (सदस्य,पाठ्यक्रमसमिति)

पाठ्यक्रम एम.ए प्रथम वर्ष (हिंदी)

६ क्रेडिट प्रति कोर्स कुल **48** क्रेडिट प्रतिवर्ष

6 credits per paper 48 credits per year

First Semester (प्रथम सत्र)

Per Semester 24 credits

प्रति सत्र २४ क्रेडिट

Course code PAHIN 101

Paper No.1:- Modern Prose

प्रश्न पत्र क्रमांक एक :- आधुनिक गदय

Course code PAHIN 101

१.चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
२. पत्ताखोर - मधु कांकरिया ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली
३.अशोक के फूल - आचार्य हजारीप्रसाद द्ववेदी ,लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद-१
अशोक के फूल ,वसन्त आ गया है, प्रायश्चित की घड़ी, घरजोडने की माया,सावधानी की आवश्यकता, आपने मेरी रचना पढ़ी, भारतीय संस्कृतिकी देन, एक कुत्ता और एक मैना,साहित्यकारों का दायित्व,नया वर्ष आ गया|

प्रत्येक पुस्तक हेतु २ यूनिट कुल व्याख्यान = ६०

सन्दर्भ ग्रंथ पेपर १

१.हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

२. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ बच्चन सिंह

३.हिंदी का गद्य इतिहास - डॉ.रामचंद्र तिवारी

४.प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन- डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

५. प्रसाद का नाट्य साहित्य - डॉ भानुदेव शुक्ल

६.प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक एवं सामाजिक विवेचन - डॉ जगदीशचंद्र जोशी

७. हिंदी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख - डॉ. इंद्रनाथ मदान

८.नाटककार जयशंकर प्रसाद - सं. सत्येंद्र कुमार तनेजा

९. नाटका और रंग परिकल्पना - डॉ. गिरीश रस्तोगी

१०.हिंदी नाटक - डॉ. बच्चन सिंह

११.आधुनिक हिंदी नाटक –डॉ. सुंदरलाल कथूरिया

१२.हिंदी उपन्यास का इतिहास - डॉ.गोपाल राय

१३.हिंदी उपन्यास स्थिति और गति –डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर

१४. हिंदी निबंधकार - डॉ. जयनाथ नलिन

१५.प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - डॉ. विभुराम मिश्र

१६.हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१७. आवां विमर्श - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१८.हिंदी साहित्य मूल्यांकन और मूल्यांकन-डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१९.ललित निबंध : विधा की बात- डॉ.हूबनाथ

Paper No.3:- History of Hindi Literature

प्रश्न पत्र क्रमांक तीन :- हिंदी साहित्य का इतिहास

Course code PAHIN 102

१. इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन
२. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याएं
३. हिंदी साहित्य का इतिहास :काल –विभाजन एवं नामकरण
४. आदिकाल :- परिवेश
   सिध्द साहित्य,नाथ साहित्य,जैन साहित्य ,रासो साहित्य,अमिर खुसरो एवं विद्यापति
५. भक्तिकाल :- परिवेश
   भक्ति आन्दोलन का विकास
   संतकाव्य : परम्परा एवं प्रवृत्तियां
   सूफीकाव्य: परम्परा एवं प्रवृत्तियां
   रामभक्ति काव्यधारा: : परम्परा एवं प्रवृत्तियां
   कृष्ण भक्ति काव्यधारा का विकास एवं प्रवृत्तियां
   भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता

६.रीतिकाल :- परिवेश

रीतिबध्द काव्य, रीतिसिध्द काव्य ,रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ

रीतिकाव्य में लोक जीवन

रीतिकालीन वीर काव्य एवं नीति काव्य

६ यूनिट :- अध्याय १,२,३=१ यूनिट ,आदिकाल १, यूनिट ,भक्तिकाल ३ यूनिट,तितिकल १ यूनिट , कुल व्याख्यान = ६०

सन्दर्भ ग्रंथ पेपर -३

१.हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्यरामचंद्र शुक्ल

२.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –डॉ. बच्चन सिंह

३.हिंदी गद्य का इतिहास –डॉ. रामचंद्र तिवारी

४.हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र

५. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

६. हिंदी आधुनिक कविता –डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

७. हिंदी साहित्य उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

८.हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

९.हिंदी साहित्य का अतीत - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

१०.हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास डॉ रामकुमार वर्मा

११.हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन –डॉ. शिवकुमार

१२.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपति चंद्र गुप्त

१३.आदिकालीन हिंदी साहित्य –डॉ. शंभूनाथ पांडे

१४.साहित्य और इतिहास दृष्टि –डॉ. मैनेजर पांडेय

१५.उत्तर भारत की संत परंपरा - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

१६.मध्यकालीन बोध का स्वरूप - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

१७. हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय –डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल

१८.हिंदी रीति साहित्य –डॉ. भगीरथ मिश्र

१९. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास- डॉ. सुमन राजे

२०.द्वितीय महायुद्धोत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास –डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

२१.आधुनिक हिंदी काव्य : उद्भव और विकास – स्नेहलता पाठक

२२. आधुनिक हिंदी कविता कावैचारिकपक्ष – डॉ. रतन कुमारपाण्डेय

२३. आधुनिकहिंदीकवितामेंकाव्यचिंतन – डॉ. करुणाशंकरउपाध्याय

२४ .आधुनिक हिंदी कविता का पुनर्पाठ – डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय

२५.स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी: काव्य और शिल्प –डॉ. शिवशंकर पांडे

२६.छायावाद – डॉ.नामवर सिंह

२७.परंपरा का मूल्यांकन –डॉ. रामविलास शर्मा

२८.आधुनिकता और हिंदी उपन्यास –डॉ. इंद्रनाथ मदान

२९.हिंदी उपन्यास का इतिहास- डॉ.गोपाल राय

३०.साठोत्तरी हिंदी कविता –डॉ. रतन कुमार पांडेय

३१. समकालीन हिंदी कविता –डॉ.ए. अर्विदाक्षण

३२.हिंदी कथा साहित्य का इतिहास - हेतु भारद्वाज

३३.समकालीन कविता : दृष्टि और बोध – डॉ.रतन कुमार पांडेय

३४.समकालीन कविता : प्रकृति और परिवेश – डॉ. रतन कुमार पांडेय

३५.आधुनिक हिंदी कविता के वैचारिक एवं शिल्पगतआयाम–डॉ. अनुराधा गर्ग

३६.नवजागरण और छायावाद – डॉ. महेन्द्र नाथराय

Paper No.5:- Old and Medieval Poetry

प्रश्न-पत्र क्रमांक पांच :- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Course code PAHIN 103

१.विद्यापति पदावली :- संपादक ,रामवृक्ष बेनीपुरी ,प्रकाशक,लोकभारती इलाहबाद

व्याख्या हेतु पद;- १,२,४,९,१०,१२,१८,२३,२७,३३,

३४,३६,५३,५५,६०,६४,७१,८१ ,

९९ ,१०७ ,१२०, १३६, १३७,

१५५, १६०, १८७,१८८,

२०९, २२०, २२८ =३०

२.कबीर , संपादक – हजारी प्रसाद द्विवेदी –राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली

व्याख्या हेतु पद = १, ५, १२, २२, २७, ३३, ३४, ४३, ६०, ९४, १३०, १३४, १३७, १४१, १५३, १६२, १६३,१६८, १७६, १९९, २०१, २१२, २२०, २२४, २३७, २४५, २४६, २४७, २५४, २५५=३०

3. पद्मावत:- मलिक मुहम्मद जायसी-संपादक आ. रामचन्द्र शुक्ल (व्याख्या हेतु – मानसरोदक खंड ,नागमती वियोग खंड) प्रकाशन प्रकाशक संस्थान,नई दिल्ली
प्रत्येक पुस्तक हेतु २ यूनिट कुल व्याख्यान = २ * ३= ६०

सन्दर्भ ग्रंथ पेपर५

१. कबीरकीविचारधारा – डॉ. गोविन्दत्रिगुनायत

२. कबीर : व्यक्तित्व कृतित्वएवंसिद्धांत – डॉ. सरनामसिंह

३. कबीरकारहस्यवाद – डॉ. रामकुमारवर्मा

४.कबीरसाहित्यकीपरख – आचार्यपरशुरामचतुर्वेदी

५. मध्यकालीनकाव्य : चिंतनऔरसंवेदना – डॉ. करुणाशंकरउपाध्याय

६.जायसीएवंउनकाकाव्य – डॉ. शिवसहायपाठक

७. जायसी – डॉ. विजयदेवनारायणसाही

८.जायसीकापद्मावत: काव्यऔरदर्शन – डॉ.गोविन्दत्रिगुणायत

९. जायसीकाकाव्यशिल्प – डॉ.दर्शनलालसेठी

१०. सूरदासकाकाव्यवैभव – डॉ.मुंशीरामशर्मा

११.सूर-साहित्य: नवमूल्यांकन – डॉ. चंद्रभानरावत

१२. सूरकीकाव्यकला – डॉ. मनमोहनगौतम

१३.सुरऔरउनकासाहित्य – डॉ. हरवंशलालशर्मा

१४.सूरकीभाषा – डॉ.प्रेमनारायणशर्मा

१५.तुलसीदासऔरउनकायुग – डॉ. राजपतिदीक्षित

१६.तुलसीदास :चिंतनऔरकला – डॉ. इन्द्रनाथमदान

१७. तुलसीदर्शनमीमांसा – डॉ.उदयभानुसिंह

१८.तुलसी : आधुनिकवातायनसे – डॉ. रमेशकुंतल‘मेघ’

१९. रामचरितमानसमेंअलंकारयोजना – डॉ. वचनदेवकुमार

२०.बिहारीकाकाव्य – सं. डॉ. हरिमोहनमालवीय

२१. बिहारीकाकाव्यलालित्य – डॉ. रामशंकरतिवारी

२२.बिहारीकानवमूल्यांकन – डॉ. बच्चनसिंह

२३.हिंदीमेंश्रृंगारपरम्पराऔरमहाकविबिहारी – डॉ. गणपतिचन्द्रगुप्त

२४.मध्यकालीनकविऔरकविता – डॉ. रतनकुमारपाण्डेय

२५. विविध – डॉ. करुणाशंकरउपाध्याय

२६. मध्यकालीनकाव्यवैभव – डॉ. शितालाप्रसाददुबे

२७.कालजयीसंततुलसीदास – डॉ. उमापतिदीक्षित

२८. तुलसीकाव्यकेविविधआयाम – डॉ. उमापतिदीक्षित

Paper No.7

Course code PAHINA 104

प्रश्न पत्र क्रमांक सात :- प्रयोजन मूलक हिन्दी

(Functional Hindi)

1.प्रयोजनमुलक हिंदी –अवधारणा एवं स्वरूप,ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

२. हिंदी के विविध रूप – सर्जनात्मक भाषा ,संचार भाषा,संपर्क भाषा ,राजभाषा

३. राजभाषा हिंदी _ संकल्प एवं स्वरूप

४.राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान –

अनुच्छेद ३४३ से ३५१तक

राष्ट्रपति के निर्देश

राजभाषा आयोग

संसदीय समितियाँ

राजभाषा समितियाँ

भाषा नीति संबंधी सरकारी संकल्प

राजभाषा नीति के क्रियान्वयन की समस्याएँ

६. वैश्वीकरण और हिंदी:- विदेशों में हिंदी पत्रकारिता

अध्याय १से ३ =३ यूनिट,अध्याय ४ से ५ =३ कुल यूनिट ६ कुल व्याख्यान =६०

सन्दर्भग्रंथ पेपर-७

१.खड़ी बोली का आंदोलन –डॉ.शितिकंठ मिश्र

२.भारतीय राष्ट्रभाषा की सीमाएं –डॉ. सत्यव्रत

३.राजभाषा के संदर्भ में हिंदी आंदोलन का इतिहास –डॉ. उदयनारायण दुबे

४.राजभाषा हिंदी –डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

५.प्रयोजनमूलक हिंदी –डॉ. विनोद गोदरे

६.प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना एवं अनुप्रयोग – डॉ.रामप्रकाश,डॉ.दिनेश गुप्त

७.प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत एवं व्यवहार - रघुनंदन प्रसाद शर्मा

८.अनुवाद विज्ञान –डॉ. भोलानाथ तिवारी

९.विज्ञापन : सिद्धांत एवं प्रयोग - अशोक महाजन

१०. आधुनिक विज्ञापन –डॉ. प्रेमचंद पातंजलि

११.कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग –डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा

१२.भाषा और प्रौद्योगिकी –डॉ. विनोद कुमार प्रसाद

१३.हिंदी का विश्वसंदर्भ –डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय

Course code PAHINB 104

पत्रकारिता

(JOurnalism)

१. पत्रकारिता – अर्थ एवं स्वरूप

२. पत्रकारिता के माध्यमगत रूप – मुद्रित पत्रकारिता एवं इलेकट्रानिक पत्रकारिता का सामान्य परिचय

३. पत्रकारिता के विषयगत रूप – खोजी पत्रकारिता,महिला पत्रकारिता, क्रीडा पत्रकारिता ,बाल पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता,साहित्यिक पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता,फोटो पत्र करिता का सामान्य परिचय |

४. हिंदी पत्रकारिता उद्भव और विकास

५. पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन – संपादकीय ,फीचर, साक्षात्कार,समीक्षा,व्यंग्य-लेख

६. मुद्रित पत्रकारिता के आयाम – समाचार के स्रोत्र,समाचार-संकलन,समाचार लेखन,समाचार-सम्पादन,प्रूफ-शोधन

७. इलेकट्रानिक पत्रकारिता:- रेडियो,टेलीविजन और इंटरनेट पत्रकारिता

अध्याय १ से ३ =२ यूनिट,अध्याय ४ से ५ =२,६ से ७ २ यूनिट कुल यूनिट ६, कुल व्याख्यान =६०

सन्दर्भ ग्रंथ पेपर-७

१. हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम- डॉ. वेदप्रताप वैदिक

२.हिंदी पत्रकारिता –डॉ. अर्जुन तिवारी

३. समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे – डॉ.राजकिशोर

४.पत्रकार और पत्रकारिता– डॉ. रमेश जैन

५. आजादी के पचासवर्ष और हिंदी पत्रकारिता –डॉ. सविता चड्ढा

६.समाचार व्यवस्थापन – अनंत गोपाल शेवडे

७.पत्रिका : संपादन कला –डॉ. रामचंद्र तिवारी

८.मीडिया और साहित्य - सुधीश पचौरी

९.समाचार, फीचर लेखन और संपादन कला- डॉ. हरिमोहन

१०. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत –डॉ. नवीनचंद्र पंत

११. आधुनिक पत्रकारिता –डॉ. अर्जुन तिवारी

१२.जनसंचार और पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी

१३.पत्रकारिता मिशन से मीडियातक - अखिलेश तिवारी

१४.सूचना का अधिकार - विष्णु राजगढ़िया, अरविंद केजरीवाल

१५.पत्रकारिता : नया दौर नए प्रतिमान - संतोष भारतीय

१६.समाचार संपादन - कमल दीक्षित, महेश दर्पण

१७.भेंटवार्ता और प्रेस कॉन्फ्रेंस –प्रो. नंद किशोर त्रिखा

१८.खेल पत्रकारिता - सुशील दोषी, सुरेश कौशल

१९.सूचना प्रद्योगिकी और समाचार पत्र – रवीन्द्र शुक्ला

Course code PAHINC 104

स्त्री विमर्श एवं हिंदी साहित्य

(Feminism and Hindi Literature)

(इस प्रश्न में और सैध्दांतिक व्यावहारिक दो विभाग होगें)

सैध्दातिक पक्ष

१.स्त्री विमर्श की अवधारणा

२.स्त्री विमर्श की पृष्ठभूमि

३.स्त्री आन्दोलन: भारतीय एवं पाश्चात्य सन्दर्भ

४. हिंदी में स्त्री लेखन का स्वरूप और विकास

व्यावहारिक पक्ष :-

१. देवी - मृणाल पांडेय राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली.

२. गुलाम मंडी - निर्मला भुराडिया ,सामायिक प्रकाशन ,नई दिल्ली११०००२

सैध्दातिक पक्ष २ यूनिट ,देवी २ यूनिट,शिकजे का दर्द २ यूनिट ,कुल्व्यख्याँ =६०]

सन्दर्भ ग्रंथ पेपर-७

१.नारी प्रश्न - सरला माहेश्वरी

२.औरत अस्तित्व और अस्मिता - अरविंद जैन

३. स्त्रीत्ववादीविमर्श: समाज और साहित्य - क्षमा शर्मा

४.स्त्री परंपरा और आधुनिकता – राजकिशोर

५.भारतीय समाज में नारी– डॉ प्रभा आपटे

६.स्त्रीत्वकामानचित्र – अनामिका

७. समकालीनमहिलालेखन – डॉ.ओमप्रकाशशर्मा

८. स्त्रीविमर्श – जगदीश्वरचतुर्वेदी

९. परिधिपरस्त्री – मृणालपांडे

१०. औरत: उत्तरकथा – राजेन्द्रयादव

११.हिंदीसाहित्यकाआधाइतिहास – सुमनराजे

१२.स्त्रीसंघर्षकाइतिहास – राधाकुमार

१३. स्त्रीपुरुषोंकेसंबंधोंकाविमर्श – डॉ.उषाकीर्ति राणावत

१४. स्त्रीअधिकारोंकाऔचित्यसाधन – मेरीओल्सटन क्राफ्ट(अनु.मीनाक्षी)

१५. स्त्रियों की पराधीनता - जॉनस्टुवर्डमिल,(अनु.प्रगतिसक्सेना)

१६. उपनिवेशमेंस्त्री – प्रभाखेतान

१७.बंद गलियों के विरुद्ध : महिला पत्रकारिता की यात्रा - मृणाल पांडे, क्षमा शर्मा

१८.आधी आबादी का संघर्ष - ममता जैतली, श्रीप्रकाश शर्मा

१९.मौसम बदलने की आहट - अनामिका

२०.स्त्री विमर्श के उत्तर गाथा - अनामिका

२१.स्त्री मुक्ति : संघर्ष और इतिहास - रमणिका गुप्ता

२२.स्त्री अस्मिता और समकालीन कविता - प्रमिला के. पी.

२३.अनामिका : एक मूल्यांकन –सं. अभिषेक कश्यप

२४.मन्नू भंडारी की कहानियों में नारी –डॉ. इसरत जहां

२५.हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ –डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय

२६.शिकजे का दर्द: दलित एवं नारी मुक्ति का यथार्थदस्तावेज –सं. डॉ.देवेद्र चौबे,डॉ. विष्णु सरवदे,प्रकाशक –शिल्पायन नई दिल्ली.

२८. दलित लेखन में स्त्री चेतना की दस्तक सं- शिवरानी प्रभात,प्र. शिल्पायन,दिल्ली

२९. हाशिए का विमर्श ले. सुशीला टाकभोरे,प्र.नेहा प्रकाशन ,दिल्ली

३०.मेरे साक्षात्कार –ले. सुशीला टाकभोरे,प्र. शिल्पायन,दिल्ली

पाठ्यक्रम एम.ए प्रथम वर्ष (हिंदी)

६ क्रेडिट प्रति कोर्स कुल 48

क्रेडिट प्रति सत्र

6 credits per paper 48 credits

Second Semester (द्वितीय –सत्र)

Course code PAHIN २01

Paper No.1:- Modern Prose

प्रश्न पत्र क्रमांक एक :- आधुनिक गद्य

Course code PAHIN 102yas

१. उपन्यास :- अमृत और विष ,अमृतलाल नागर,

२. कहानी :-राजेन्द्र यादव की प्रतिनिधि कहानियाँ , राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली
जहाँ लक्ष्मी कैद है,रोष्णु कहाँ है,प्रतीक्षा,
किनारे से किनरे तक,पास-फेल, खुशबू,
छोटे-छोटे ताजमहल

३. नाटक :- वीमा - रत्नकुमार सांभरिया,आनामिका पब्लिशर्स ,नई दिल्ली,

प्रत्येक पुस्तक से २ यूनिट ,कुल ६ यूनिट कु व्याख्यान =६०

Paper No.3:- History of Hindi Literature

प्रश्न पत्र क्रमांक तीन :- हिंदी साहित्य का इतिहास

Course code PAHIN २०२

१. आधुनिक कालीन परिवेश
२. आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन

भारतेन्दु युग ,द्विवेदी युग,छायावादी युग,राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना की

काव्यधारा,प्रगतिवाद,प्रयोगवाद,नई कविता,नवगीत,साठोत्तरी

कविता,समकालीन कविता

३. भारतेन्दु पूर्व हिंदी गद्य साहित्य

हिंदी साहित्य की प्रमुख गद्य विधाओं का क्रमिक विकास

उपन्यास,कहानी,नाटक,निबन्ध,आलोचना,जीवनी,आत्मकथा,रेखाचित्र,संस्मरण

आधुनिक कालीन परिवेश एवं आधुनिक हिंदी कविता =३ यूनिट ,भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य साहित्य=३ यूनिट

आधुनिक हिंदी साहित्य पर आधरित वस्तु निष्ठ प्रश्न पूछे जाएगे|

Paper No.5:- Old and Medieval Poetry

प्रश्न पत्र क्रमांक पांच :- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Course code PAHIN २03

१. भ्रमरगीतसार संपादक आ.रामचन्द्र शुक्ल ,भूमिका-डॉ. शिवकुमार मिश्र प्रकाशन:- वाणी प्रकाशन

व्याख्या हेतु पद:- ११,२०,२३,२४,२५,३४,३६,
३७, ३८,४२,५२,५७,६१,६४,
७२,७५,७६,८५,८९,
९५,९७,१००,१०९,१२०,
१३०,१४६,--१६३,१७५,२१०,२२०=३०

२. कवितावली :- सम्पादक एवं टीकाकार –लाला भगवान दीन – प्रकाशन केंद्र लखनऊ

व्याख्या हेतु पद क्रमांक:- ३,१३,३१,३६,३९,४७,५७,६२,
६६,७३,७४,८१,८५,९०,९६
९७,९८,१००,१०५,१०६,१०७,
१०९,१२१,१२५,१२७,१२९,१३७
१४६,१४८,१८२=३०

३. घनानंद कवित्त :- सम्पादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

प्रकाशक - संजय बुक सेंटर, वाराणसी

व्याख्या हेतु निर्धारित कवित्त क्रमांक :- १, २,४,६,८,१०,

११,१४,१५,२०,२३,२७,२८,
२९,३९,४१,४६,५५,५८,५९,६८
७०,७५,७९,८२,८४,८८,८९,
९४,९७ =३०

प्रतेक पुस्तक से २ यूनिट कुल २* ३= ६ कुल व्याख्यान =६०

Paper No.7:-

Course code PAHINA २04

प्रश्न-पत्र क्रमांक सात :- प्रयोजनमूलक हिन्दी

(Functional Hindi)

१. संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग :- रेडियो,टेलीविजन,समाचार पत्र, सिनेमा और इंटरनेट में हिंदी का प्रयोग

२. विज्ञापन और हिंदी :- विज्ञापन:परिभाषा और स्वरूप

विज्ञापन और बाजार
विज्ञापन और जनसंचार
विज्ञापन और जनसंचार माध्यम
विज्ञापन और एजेंसियां
विज्ञापन और कानून
विज्ञापन और नैतिकता

३. अनुवाद :- परिभाषा एवं स्वरूप ,आवश्यकता एवं महत्त्व

अनुवाद के सिध्दांत ,
अनुवाद की प्रक्रिया
अनुवाद के भेद
अनुवाद के उपकरण
अनुवाद के क्षेत्र एवं समस्याएँ
अनुवादक की योग्यताएँ

१ और २ को ४ यूनिट, ३ को २ यूनिट कल व्याख्यान =६०

Course code PAHINB २04

पत्रकारिता

(Journalism)

१. भारतीय संविधान में प्रदत्त मैलिक अधिकार
   सुचना का अधिकार
   अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का अधिकार
२. प्रेस और आचार संहिता
३. मुक्त प्रेस की अवधारणा
४. साहित्यिक पत्रकारिता का स्वरूप एवं उसकी विशेषताएँ
५. भूमण्डलीकरण,बाजारवाद और हिंदी पत्रकारिता बदलता स्वरूप
६. संपादक के गुण और दायित्व
७. संवाददाता की योग्यता एवं कार्यपध्दति

१ और २ को २ यूनीत,३,४,५ को २ यूनिट और ६,७ को २ यूनिट ,कुल व्याख्यान =६०

Course code PAHINC २04

स्त्री विमर्श एवं हिंदी साहित्य

(Feminism and Hindi Literature)

१. नई सदी की पहचान : श्रेष्ठ महिला कथाकार ,सम्पादक : ममता कालिया ,लोकभारती प्रकाशन
(तीसरा हिस्सा ,चमड़े का अहाता और आपकी छोटी लड़की को छोड़कर सभी कहानियाँ)

२. त्रिशंकु : मन्नू भंडारी : प्रकाशक राधाकृष्ण ,

३. कवि ने कहा : अनामिका ,किताब घर प्रकाशन , नई दिल्ली
(निर्धारित कवितायें – स्त्रियाँ ,बेजगह ,पतिव्रता ,वृधाएं धरती का नमक हैं ,पत्ता - पत्ता बूटा - बूटा ,खुरदरी हथेलियाँ , अभ्यागत, तुलसी का झोला, आम्रपाली , गनीमत , लेडीज संगीत)

प्रति पुस्तक को २ यूनिट ,कुल व्याख्यान =६०

M.A, PART -I , HINDI

SEMESTER I & II

(w.e.f Academic year 2016-2017)

48 Credits

6 Credits per paper

60 teaching hours per paper during the semester

15 teaching hours per unit during semester

(All papers have 4 Units)

choice based course Semester and Credit System

UNIVERSITY OF MUMBAI

DEPARTMENT OF HINDI

SYLLABUS OUTLINE:

M.A. PART I

SEMESTER I

Course	Nomenclature	Theory	Internal Assessment	Hrs. per week	Credits
I	Modern Prose	60	40	4	6
III	History of Hindi Literature	60	40	4	6
V	Old and Medieval Poetry	60	40	4	6
VII	Functional Hindi . OR Journalism OR Feminism and Hindi Literature	60	40	4	6

SEMESTER II

Course	Nomenclature	Theory	Internal Assessment	Hrs. per Week	Credits
I	Modern Prose	60	40	4	6
III	History of Hindi Language	60	40	4	6

V	Old and Medieval Poetry	60	40	4	6
VII	Functional Hindi . OR Journalism OR Feminism and Hindi Literature	60	40	4	6

Semester Exam Paper Pattern & choice based course Semester and Credit System

1) Exam. 60 Marks Internal Assessments- 40 Marks / External
    a) Project -20 Marks
    b) Presentation – 10 Marks
    c) Attendance and behaviour -10 Marks

2) Exam. 60 Marks Internal Assessments- 40 Marks / External
    d) Project -20 Marks
    e) Presentation – 10 Marks
    f) Attendance and behaviour -10 Marks

Distribution of marks between theory and internal assessment is 60:40 respectively.

For each course there is passing minimum internal assessment 40 (16 Marks) for external semester end Exam 60 (24 Marks) and overall passing marks 40%

3) CREDIT SYSTEM AND EVALUTION

The credit based Semester System is as per University Rules.

Credit system:

Each paper of semester based (M.A Hindi) programme will earn the student 6 credits, with the final degree being awarded to the student after 96 credits have been earned over 4 semesters, The details of the Credit System, formulated as per the university guidelines, are as follows.

a) With each paper being worth 6 credits, the student will earn 24 credits each semester, 48 credits in a year.
b) Each credit will translate into 15 hours, making it 90 hours per paper. Of these, 45 hours will be covered by lectures and the Balance half will be counted towards preparation, homework, library work, assignments and student seminars.
c) Each semester will be comprise about 15 weeks. Of these two Week will be taken up in final and mid-semester exams. In order to cover 45 hours over 13 weeks, there will be 4 lectures per week of a particular paper.
d) Evolution : The Grade Point

At the end of the first semester and the sub sequent semester Examination the student will be awarded with a grade card consisting of grades and credits of the previous semesters. The

marks will not appear on the great card but the conversion of the marks into grade points and letter grade will be displayed.

e) The grade card issued to each student will contain:
    a. The credits earned for each course in that semester.
    b. The performance in each course indicated by the letter grade.
    c. The grade point Average of all the courses in that semester.
    d. The cumulative Grade point Average of all courses after completing all levels.

Conversion of marks to grade points.

% of Marks obtained by the student in a course.	Grade Point	Letter Grade
76-100	6	O
71-75	5	A+
61-70	4	A
51-60	3	B+
41-50	2	B
0-40	F	F